भारतीय भाषाएँ और राजभाषा हिंदी सह-अस्तित्व की गाथा

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

भारतीय भाषाएं और राजभाषा हिंदी

सह–अस्तित्व की गाथा

संकल्पना
अंशुली आर्या
सचिव

मार्गदर्शन
मीनाक्षी जौली
संयुक्त सचिव

सम्पादक
रघुवीर शर्मा
उप–निदेशक
भावना सक्सैना
सहायक निदेशक

परामर्श
विमलेश कान्ति वर्मा
लब्धप्रतिष्ठ भाषा वैज्ञानिक

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

भारतीय भाषाएं और राजभाषा हिंदी : सह-अस्तित्व की गाथा
The Story of co-existence of Indian languages and Official Language Hindi

सम्पादन : रघुवीर शर्मा, भावना सक्सैना
Edited by : Raghubir Sharma, Bhawna Saxena

प्रथम संस्करण : 2025

© सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

इस पुस्तक में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। सरकार अथवा राजभाषा विभाग का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्रकाशन : सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह

गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा **'भारतीय भाषाएँ और राजभाषा हिंदी-सह-अस्तित्व की गाथा'** विषय पर एक ग्रंथ का प्रकाशन होना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है।

भारत भाषाई विविधता में एकता का प्रतीक है, जहाँ 1600 से अधिक भाषाएँ बोली जाती हैं, जो विश्व के चार प्रमुख भाषा-परिवारों से संबंध रखती हैं। संरचनात्मक विविधता के बावजूद इन भाषाओं में एक सघन सांस्कृतिक एकता विद्यमान है। यही भाषिक-सांस्कृतिक एकता राजभाषा हिंदी को देश में विभिन्न भाषा-भाषी समुदायों के बीच संवाद का सेतु बनाती है और विदेशों में हिंदी भारतीय अस्मिता का प्रतीक बनकर उभरी है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने अपनी भाषायी विविधता को शक्ति का रूप माना है। **'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'** की भावना को साकार करते हुए, भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए अनेक प्रभावी पहल किए गए हैं। इसी के तहत राजभाषा विभाग के अंतर्गत भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की गई, जो राष्ट्र की समस्त भाषाओं के बीच **'सद्भाव'** और **'समभाव'** को बढ़ावा देकर पारस्परिक संवाद का सशक्त माध्यम बन रहा है। इससे भाषायी एकता और बौद्धिक समन्वय के नए आयाम विकसित हो रहे हैं।

मुझे खुशी है कि राजभाषा विभाग ने 'भारतीय भाषाएँ और राजभाषा हिंदी-सह-अस्तित्व की गाथा' जैसे विचारोत्तेजक विषय पर एक ग्रंथ की परिकल्पना की और देशभर के प्रख्यात भाषाविदों के सहयोग से एक ऐसा उत्कृष्ट ग्रंथ तैयार किया जो भाषायी अनुसंधान और समन्वय के क्षेत्र में कार्य कर रहे विशेषज्ञों को न केवल प्रेरणा देगा, अपितु उन्हें दिशा भी प्रदान करेगा।

मैं, राजभाषा विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को इस महत्त्वपूर्ण ग्रंथ के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए ग्रंथ के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(अमित शाह)

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221
ई-मेल : hm@nic.in

नित्यानन्द राय
NITYANAND RAI

सत्यमेव जयते

गृह राज्य मंत्री
भारत सरकार
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली – 110001
MINISTER OF STATE FOR
HOME AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NORTH BLOCK, NEW DELHI - 110001

संदेश

भाषा जहाँ मानव की संवेदनात्मक अनुभूति हैं, वहीं एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यही कारण है कि समाज अपनी भाषा की सुरक्षा, संरक्षा और प्रतिष्ठा के लिए सचेष्ट और प्रयत्नशील रहता है। विकसित राष्ट्र अपनी भाषाओं का सम्मान करता है और उसकी समृद्धि के लिये निरंतर प्रयत्न करता है।

भारत बहु भाषा-भाषी देश है और भारतीय संविधान के अधीन अष्टम अनुसूची में देश की जिन प्रधान 22 भाषाओं की गणना है, उनके विकास के लिए देश प्रतिबद्ध है। इन 22 भाषाओं में पारस्परिक सद्भाव बढ़े, इसके लिए भाषाओं के मध्य अंतर्संवाद आवश्यक है और यह तभी संभव है जब भाषाओं के पारस्परिक भाषिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध को हम समझें और उन पर गहन विमर्श हो। इस विमर्श का दायित्व देश की केन्द्रीय भाषा हिंदी पर है जो अपनी सहजता और पारस्परिक बोधगम्यता के कारण शताब्दियों से एक भाषा सेतु के रूप में कार्य करती रही है।

मुझे प्रसन्नता है कि गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत राजभाषा विभाग ने '**भारतीय भाषाएँ और राजभाषा हिंदी - सह अस्तित्व की गाथा**' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर एक अनुसंधानपरक ग्रन्थ की परिकल्पना की और देश के वरिष्ठ विद्वानों के सहयोग से एक मूल्यवान ग्रन्थ तैयार हो गया जो इस दिशा में कार्य करने वालों के लिए अध्ययन और अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त करेगा और दीप स्तम्भ बनेगा। मेरी मंगलकामना है कि यह महत्वपूर्ण प्रकाशन इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्थक भाषा विमर्श का माध्यम बने।

(नित्यानन्द राय)

नई दिल्ली।
16 जून, 2025

Office Tel : 011-23092870, 23092595 Fax No : 011-23094896

विषय क्रम

1.	भूमिका	अंशुली आर्या	7
2.	भाषा–अध्ययन एवं राष्ट्र–विकास : हिंदी का प्रदेय	विभा गुप्ता	15
3.	हिंदी : तात्पर्य निर्णय	विमलेश कान्ति वर्मा	23
4.	एक हृदय है भारत जननी!	सूर्यप्रसाद दीक्षित	33

पूर्वी भारत और हिंदी

5.	असम – हिंदी की उर्वर भूमि	दिलीप कुमार मेधि	49
6.	ओड़िआ और हिंदी भाषा में अन्तर्संबंध	अजय कुमार पटनायक	58
7.	मणिपुर का हिंदी साहित्यः एक सांस्कृतिक सेतु	एलाङबम विजय लक्ष्मी	63
8.	आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी और बोडो के परस्पर संबंध	फुकन चंद्र बसुमतारी	70
9.	मैथिली भाषाः सांस्कृतिक गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति	शुभंकर मिश्र	77
10.	पूर्वोत्तर का भाषिक परिदृश्य और हिंदी	वीरेन्द्र परमार	89
11.	हिन्दी और संथाली भाषा में संपर्क	दमयन्ती बेश्रा	95
12.	विकास पर्व में बांग्ला और हिन्दी साहित्य का अंतर्सम्बन्ध : नाटक और उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में	सुमिता चैटर्जी	98

पश्चिमी भारत और हिंदी

13.	सहजता से हिलोरती भाषाएं– गुजराती और हिंदी	वर्षा दास	105
14.	हिंदी – मराठी अंतर्संबंध	दामोदर खड़से	113
15.	सिंधी एवं हिंदीः अंतर्संबंध	रविप्रकाश टेकचंदानी	118
16.	हिंदी और सिंधी भाषा में अंतर्संबंध	विजय मंगलानी	122
17.	देवनागरी लिपि और कोंकणी	भारती हिरेमठ	132

उत्तर भारत और हिंदी

18.	कश्मीरी और हिंदी : एक संक्षिप्त तुलनात्मक अध्ययन	एजाज़ मोहम्मद शेख साइमा जान	137
19.	हिंदी एवं नेपाली भाषा की शब्द संपदा : एक तुलनात्मक विवेचन	गोमा देवी शर्मा	144

20.	डोगरी और हिंदी में समानता	डौली तिकू आरवल	153
21.	संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाएं	गिरीश नाथ झा	156
22.	हिंदी एवं उर्दू : एक भाषा के दो रूप	डॉ. गोपाल कुमार	162

दक्षिण भारत और हिंदी

23.	दक्षिण भारत में हिंदी की लोकप्रियता	राजलक्ष्मी कृष्णन	171
24.	कन्नड, तुळु और हिंदी के बीच आदान प्रदान	टी. आर. भट्ट	175
25.	मलयाळम और हिंदीः भाषिकी, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अंतर्संबंध	एस. तंकमणि अम्मा	181
26.	तेलुगु भाषी प्रांतों में हिन्दी प्रचार का आंदोलन	आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद	196

परिशिष्ट

27.	संविधान में राजभाषा हिंदी की स्वीकृति के पश्चात् डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी का संबोधन	राजेंद्र प्रसाद	205
28.	सामन्ती भाषा बनाम लोकभाषा	राम मनोहर लोहिया	208
29.	भाषा किसी धर्म विशेष की नहीं होती– पंडित दीनदयाल उपाध्याय	आशा शर्मा	231
30.	विश्व साहित्य में अनुवाद की भूमिका	वीरभद्र कार्कीढोली	236
31.	संविधान सभा में हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध"	इंदुशेखर तत्पुरुष	240
32.	श्री गुरु ग्रंथ साहिबः भारतीय भाषाओं का प्रथम संवाद	हरमहेन्द्र सिंह बेदी	246
33.	भाषिक अंतर्संबंधों का प्रतीकः भारतीय भाषा कोश	नूतन पाण्डेय	252
34.	हिंदी शब्द–सिंधुः एक डिजिटल शब्दकोश एक भाषायी क्रांति	भावना सक्सैना	258
35.	लेखक परिचय		262